उ0प्र0 शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज।

पाठ्यक्रम

प्रवक्ता (PGT) – शिक्षा शास्त्र
(विषय कोड–12)

I- **शिक्षाशास्त्र का अर्थ और क्षेत्र**–शिक्षा के उद्देश्य और प्रकार, शिक्षा के अभिकरण, उत्तर प्रदेश में प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा – स्थिति, प्रकृति और संगठन, लोकतंत्र के लिए शिक्षा।

II- **भारतीय शिक्षा का इतिहास और समस्याएं**–वैदिक, बौद्ध, मध्यकालीन, ब्रिटिश कालीन और स्वतंत्रता के पश्चात की अवधि में शिक्षा, भारत में शिक्षा के लिए संवैधानिक प्रावधान, शिक्षा पर विभिन्न आयोग और समितियों की सिफारिशें, भारतीय में प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा की समस्याएं, शिक्षा एवं राष्ट्रीय एकता, महिला शिक्षा, समावेशी शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा, किशोरावस्था शिक्षा, मूल्य एवं मानवाधिकार शिक्षा, वैश्वीकरण के लिए शिक्षा।

III- **शिक्षा और दर्शन के बीच संबंध**– आदर्शवाद, प्रकृतिवाद, यथार्थवाद, व्यावहारिकतावाद और अस्तित्ववाद के अनुसार शिक्षा के उद्देश्य, पाठ्यक्रम, शिक्षक–छात्र संबंध, शिक्षण और अनुशासन की विधि, स्वामी विवेकानन्द, श्री महात्मा गांधी, श्री रवीन्द्रनाथ टैगोर, श्री अरबिन्दो और श्री मदन मोहन मालवीय के शैक्षिक विचार।

IV- **शिक्षा समाजशास्त्र का अर्थ और क्षेत्र** – संस्कृति और शिक्षा, शहरीकरण और आधुनिकीकरण – शिक्षा पर इनका प्रभाव, सामाजिक परिवर्तन और शिक्षा, समाजीकरण के लिए शिक्षा, धर्म और शिक्षा, राज्य और शिक्षा।

V- **शिक्षा मनोविज्ञान**– अर्थ और महत्व, वृद्धि और विकास, शैशवावस्था, बाल्यावस्था और किशोरावस्था के दौरान शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, भावात्मक और नैतिक तथा संज्ञानात्मक विकास, व्यक्तिगत विभिन्नता – प्रकार और कारण, व्यक्तित्व के सिद्धान्त – मनोविश्लेषणात्मक, मानवतावादी, सामाजिक, संज्ञानात्मक और व्यवहारवादी परिप्रेक्ष्य, समस्या समाधान और सृजनात्मकता – प्रकृति और विकास, स्मृति और विस्मृति, अवधारणा निर्माण, चिन्तन सिद्धान्त – पियाजे और ब्रूनर, मार्गदर्शन और परामर्श – अर्थ, आवश्यकता, सेवाएँ, प्रकार, दृष्टिकोण और चुनौतियाँ।

VI- **शैक्षिक अनुसंधान**– अर्थ, आवश्यकता, दृष्टिकोण, गुणात्मक और मात्रात्मक अनुसंधान, वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, दार्शनिक, प्रयोगात्मक और क्रियात्मक अनुसंधान के गुण एवं आवश्यकता और चरण, संबंधित साहित्य की समीक्षा, अनुसंधान समस्या – अवधारणा, प्रकार, विशेषताएँ और स्रोत, शोध परिकल्पना – निरूपण, प्रकार और परीक्षण, न्यादर्श के प्रकार और तकनीक, अनुसंधान उपकरण – आवश्यकता, प्रकार, उपयोग, अनुसंधान रिर्पोट, केंद्रीय प्रवृत्ति का मापन – औसत, माध्यिका और माध्य, प्रसरण के माप – मानक विचलन, चतुर्थांक विचलन, प्रतिशतांक, जेड और स्टैनिन स्कोर, सामान्य संभावना वक्र–विशेषता, सहसंबंध, टी, एफ और काई–स्क्वायर टेस्ट।

VII- **शिक्षा में मापन और मूल्यांकन**– अर्थ, क्षेत्र और महत्व, शैक्षिक उद्देश्यों का वर्गीकरण, व्यावहारिक शब्दावली में उद्देश्यों का लेखन, विश्वसनीयता, वैधता और मानदंड, प्रकार और गणना उपलब्धि परीक्षण का निर्माण, निबंध और वस्तुनिष्ठ प्रकार के परीक्षण। मानक संदर्भ और मानदंड संदर्भित परीक्षण, रचनात्मक और योगात्मक मूल्यांकन, सतत और व्यापक मूल्यांकन, विकल्प आधारित केडिट प्रणाली, दृष्टिकोण, योग्यता, व्यक्तित्व,

बुद्धिमत्ता, रूचि और रचनात्मकता का माप, माप के उपकरण साक्षात्कार, अवलोकन, रेटिंग स्केल, प्रश्नावली और समाजमिति, अंको की ग्रेडिंग और स्केलिंग, आंकड़े का गुणात्मक विश्लेषण।

VIII- **दूरस्थ शिक्षा, आजीवन शिक्षा और सतत शिक्षा** – अवधारणा, आवश्यकता, विशेषताएँ, महत्व, चुनौतियाँ, प्रशासन, मुक्त विद्यालय और मुक्त विश्वविद्यालय।

IX- **शैक्षिक प्रौद्योगिकी** – संकल्पना, अर्थ और दृष्टिकोण, कंप्यूटर सहायित शिक्षण, क्रमिक निर्देशन शिक्षण के प्रतिमान, प्रशिक्षण प्रौद्योगिकी, एकीकृत शिक्षा, वेब आधारित शिक्षण, शिक्षा में प्रणाली दृष्टिकोण।

X- **शिक्षक शिक्षा** – अर्थ, आवश्यकता, विभिन्न शिक्षा आयोगों और समितियों की अनुशंसा एवं ऐतिहासिक विकास, प्रकार, चुनौतियाँ, संबंधित एजेंसियां और संगठन।

XI- **विद्यालय प्रबंधन का अर्थ और प्रकृति** – विद्यालय प्रबंधन की आवश्यकता और कार्य, शैक्षिक योजना और पर्यवेक्षण – अवधारणा, प्रकृति और तकनीकी, प्रधानाध्यापक की भूमिका, विद्यालय समय–सारणी, स्कूल बजट, कार्यक्रम मूल्यांकन – चरण और उपयोग, केंद्रीय प्रशासन तथा राज्य एवं स्थानीय स्तर की एजेंसियां।